

प्रेषक,  
आर०सी० पाठक,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,  
निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 31 जुलाई, 2012

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत चालू योजनाओं में धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-19/नि०-5/एक(22)/आय-व्यय/2012-13 दिनांक 2 अप्रैल, 2012 एवं पत्र संख्या-910/नि०-5/एक(22)/आय-व्यय/2012-13 दिनांक 11 जून, 2012 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में आय-व्यय में उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत राज्य सैक्टर की निम्न चालू योजनाओं में ₹ 168.32 लाख (₹ एक करोड़ अड़सठ लाख बत्तीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्न विवरणानुसार प्रदिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

( धनराशि ₹ हजार में)

लेखाशीर्षक/योजना/मद का नाम	आवंटित धनराशि
(1)मुख्य लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य	
06-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढीकरण	
44-प्रशिक्षण व्यय	500
08-पशु चिकित्सालयों पर शल्य चिकित्सा आदि की सुविधा	
42-अन्य व्यय	1200
09-पशु चिकित्सालय/पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना	
01-वेतन	7359
03-महंगाई भत्ता	3563
04-यात्रा व्यय	10
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	10
06-अन्य भत्ते	470
08-कार्यालय व्यय	160
09-विद्युत देयक	08
10-जलकर	01
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	50
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	200
13-टेलीफोन व्यय	01
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	01

17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	68
26-मशीन और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	231
27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	20
39-औषधि तथा रसायन	400
42-अन्य व्यय	80
योग-09-	12632
(2) मुख्य लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन आयोजनागत-00-102-पशु और मँस विकास-	
06-पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेरी यूनिट की स्थापना	
42-अन्य व्यय	200
07-कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न संतति बछिया को पुरस्कृत करने की योजना-	
42-अन्य व्यय	1800
(3) मुख्य लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन आयोजनागत-00-106-अन्य पशुधन विकास-	
06-पशुओं को संक्रामक रोगों से बचाव की योजना	
42-अन्य व्यय	500
कुल योग	16832

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फॉट कर उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
  - (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
  - (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
  - (4) नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किशतों में धनराशि आहरित एवं व्यय की जायेगी।
2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत उपरोक्त लेखाशीर्षकों के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।
  3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

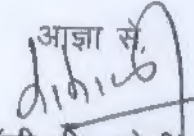
(आर०सी० पाठक)  
सचिव



संख्या: 626 (1) / XV-1/ 2012 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास को प्रमुख सचिव महोदया के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
3. आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/परियोजना निदेशक, पशुलोक, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, पशुपालन विभाग, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. भीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव